भारत सरकार

आयुष मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 5569

04 अप्रैल, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

कर्नाटक में आयुष चिकित्सा और उपचार पद्धतियां

5569. श्री कोटा श्रीनिवास पूजारी:

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने कर्नाटक में, विशेष रूप से ग्रामीण और पहाड़ी क्षेत्रों में आयुष चिकित्सा और उपचार पद्धतियों के उपयोग को बढ़ावा देने हेतु कोई कदम उठाए हैं;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) कर्नाटक में कितने आयुष्मान आरोग्य मंदिर संचालित हैं और इन केंद्रों हेतु कितनी धनराशि आवंटित की गई है;

(घ) क्या वैकल्पिक स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच में सुधार हेतु राज्य में आयुष चिकित्सकों की संख्या बढ़ाने की कोई योजना है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

आयुष मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) और (ख): जन स्वास्थ्य राज्य का विषय होने के कारण, कर्नाटक के ग्रामीण और पहाड़ी क्षेत्रों सहित पूरे देश में आयुष चिकित्सा और उपचारों के उपयोग को बढ़ावा देने की प्राथमिक जिम्मेदारी संबंधित राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों के कार्यक्षेत्र में आती है। हालाँकि, राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) के तहत, आयुष मंत्रालय एनएएम दिशानिर्देश के मौजूदा प्रावधानों के अंतर्गत राज्य वार्षिक कार्य योजनाओं (एसएएपी) में प्राप्त प्रस्तावों के अनुसार विभिन्न गतिविधियों के तहत, उन्हें वित्तीय सहायता प्रदान करके देश में आयुष पद्धतियों के समग्र विकास और संवर्धन के लिए राज्य/संघ राज्य क्षेत्र की सरकारों के प्रयासों का समर्थन कर रहा है। एनएएम में अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित प्रमुख गतिविधियों के लिए प्रावधान हैं:

(i) मौजूदा आयुष औषधालयों और उप स्वास्थ्य केंद्रों को उन्नत करके आयुष स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्रों का संचालन, जिनका नाम अब आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आयुष) रखा गया है।

(ii) प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी), सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) और जिला अस्पतालों (डीएच) में आयुष सुविधाओं का सह-स्थापन।

(iii) मौजूदा एकल सरकारी आयुष अस्पतालों का उन्नयन।

(iv) मौजूदा सरकारी/पंचायत/सरकारी सहायता प्राप्त आयुष औषधालयों का उन्नयन/मौजूदा आयुष औषधालय (किराए पर/जीर्ण-शीर्ण आवास) के लिए भवन का निर्माण/नए आयुष औषधालय की स्थापना के लिए भवन का निर्माण।

(v) 10/30/50 बिस्तरों वाले एकीकृत आयुष अस्पतालों की स्थापना।

(vi) सरकारी आयुष अस्पतालों, सरकारी औषधालयों और सरकारी/सरकारी सहायता प्राप्त शिक्षण संस्थागत आयुष अस्पतालों को आवश्यक औषधियों की आपूर्ति।

(vii) आयुष जन स्वास्थ्य कार्यक्रम।

(viii) उन राज्यों में नए आयुष महाविद्यालयों की स्थापना, जहां सरकारी क्षेत्र में आयुष शिक्षण संस्थानों की उपलब्धता अपर्याप्त है।

(ix) आयुष स्नातक संस्थानों का अवसंरचनात्मक विकास।

(x) आयुष स्नातकोत्तर संस्थानों का अवसंरचनात्मक विकास/पीजी/फार्मेसी/पैरा-मेडिकल पाठ्यक्रमों को शामिल करना।

(ग): कर्नाटक राज्य सरकार से एसएएपी के माध्यम से प्राप्त प्रस्तावों के अनुसार, आयुष्मान आरोग्य मंदिर-आयुष (जिसे पहले आयुष स्वास्थ्य और कल्याण केंद्र के रूप में जाना जाता था) की 376 इकाइयों को मंजूरी दी गई है और राज्य सरकारों द्वारा दी गई रिपोर्ट के अनुसार, सभी 376 इकाइयां कार्यशील हैं। इसके अलावा, वर्ष 2019-20 से 2023-24 तक इन केंद्रों के लिए 2520.144 लाख रुपये की धनराशि आवंटित की गई थी।

(घ) और (ङ): देश में वैकल्पिक स्वास्थ्य देखभाल तक पहुंच में सुधार के लिए राज्य में आयुष चिकित्सकों की संख्या बढ़ाने की प्राथमिक जिम्मेदारी संबंधित राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों के कार्यक्षेत्र में आती है क्योंकि जन स्वास्थ्य राज्य का विषय है। हालांकि, राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) की केंद्रीय प्रायोजित योजना के तहत, उन राज्यों में नए आयुष महाविद्यालयों की स्थापना के लिए वित्तीय सहायता का प्रावधान है, जहां सरकारी क्षेत्र में आयुष शिक्षण संस्थानों की उपलब्धता अपर्याप्त है। यह राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में आयुष चिकित्सा पद्धति की शिक्षा प्राप्त करने के लिए छात्रों को अवसर भी प्रदान करेगा। इसके अलावा, एनएएम के तहत, 50/30/10 बिस्तरों वाले एकीकृत आयुष अस्पतालों की स्थापना, विशिष्ट/एकल आयुष अस्पतालों के उन्नयन के साथ-साथ आयुष चिकित्सकों की संविदात्मक तैनाती के प्रावधान हैं। इस संबंध में, राज्य/संघ राज्य क्षेत्र की सरकारों को योजना के दिशा-निर्देशों के अनुसार राज्य वार्षिक कार्य योजनाओं (एसएएपी) के माध्यम से अपने प्रस्ताव प्रस्तुत करने की आवश्यकता है।

*****